सादर प्रकाशनार्थ,

स्वास्थ्य शिविर–अलविदा डायबिटिज का शुभारम्भ

कोरबाः 10.03.2018–प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय आबूपर्वत के ग्लोबल हास्पिटल से प्रतिष्ठित मधुमेह चिकित्सक ब्रह्माकुमार डॉ श्रीमंत कुमार साहू के मुख्य सानिध्य में स्वास्थ्य शिविर–अलविदा डायबिटिज के कार्यक्रम का शुभारम्भ भ्राता जयसिंह अग्रवाल विधायक कोरबा, बहन रेणु अग्रवाल महापौर नगर निगम कोरबा, भ्राता एम.एस.कंवर कार्यपालक निदेशक उत्पादन, डी.एस.पी.एम कोरबा, भ्राता डॉ. अविनाश तिवारी अध्यक्ष आल इण्डिया मेडिकल एसोसिएसन कोरबा, बहन उमा बंसल समाज सेवी आदि गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में फुटवाल मैदान सी.एस.ई.बी चौक में किया गया। भ्राता जयसिंह अग्रवाल ने कहा कि कोरबा में अधिकांश बीमारियां वातावरण प्रदूषण के कारण है। ब्रह्माकुमारी संस्थान के द्वारा समय समय पर अनेकानेक जन जाग्रति के कार्यक्रम आयोजित होते रहते हैं जो कि कोरबा वासियों के लिये बहुत ही उपयोगी होते हैं। भ्राता एम.एस.कंवर ने कहा कि स्वास्थ्य जीवन का एक बहुत ही महत्वपूर्ण पहलू है। आजकल मधुमेह, रक्तचाप, हार्ट अटैक एवं कैन्सर जैसी बीमारियों का प्रकोप बढ़ता ही जा रहा हैं, जो कि मृत्यु का प्रमुख कारण बन रही है। कोरबा में भी डायबिटिज से प्रभावित लोगों की संख्या कम नहीं है। आज का यह कार्यक्रम सभी के लिये लाभदायक होगा। डॉ श्रीमंत कुमार साहू ने कहा कि मधुमेह एक खामोश जानलेवा बीमारी है और यह एक बार होने से अंतिम श्वास तक पीछा नहीं छोड़ती है। मधुमेह एक ऐसी बीमारी है, जिसमें हमारे रक्त में शुगर मात्रा अधिक होने के कारण मूत्र से भी निष्काषित होने लगती है। हमारे पेट में पैनक्रियास अग्नाश्य नाम की एक ग्रंथी से इन्सुलिन नामक एक हारमोन का स्राव जब कम हो जाता है या यह इन्सुलिन शरीर में ठीक रीति से काम नहीं करती है, तब इस बीमारी की शुरूआत होती है। रक्त में लम्बे समय तक शुगर की मात्रा अधिक पाए जाने से इसका कुप्रभाव शरीर के सभी अंगों पर होने लगता है। जिससे 75 प्रतिशत से ज्यादा मरीज हृदयघात के शिकार हो जाते हैं। कईयों के गुर्दे खराब हो जाते हैं तो फिर कई अंधे हो जाते हैं। कईयों की टांगे काटनी पड़ती हैं। तनाव और रक्तचाप तथा रक्त शर्करा का गहरा नाता है। मधुमेह, हाईपरटेन्शन आदि बीमारी से बचने के लिये तनावमुक्त रहना जरूरी है। नित्य राजयोग के अभ्यास, नियमित व्यायाम और खान–पान की नियमितता से इस जान लेवा बीमारी को पूर्ण रूप से नियंत्रित कर सकते हैं। ब्रह्माकुमारी रूकमणी बहन ने कहा कि मधुमेह असंतुलित जीवन शैली की पैदाईस है। जीवन

में हर घटना को स्वीकार करें और इसका हल सकारात्क रूप से खोजें तो मन शांत, खुशनुमः और तन स्वस्थ रहेगा। बहुत समय के प्रयास के बाद आज यह कार्यक्रम आयोजित हुआ है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में, मैं सभी सहयोगी संस्थान एवं नगरवासियों का सहृदय धन्यवाद देना चाहूंगी।

मानवीय सेवा मं,